आदरणीय दादी जी का शुभ अभिनन्दन

रतन मोहिनी दादी जी –साकार की संकल्पना, आदि सेवा की संरचना,विश्वास का निश्चय,हिम्मत की बुनियाद,प्रखरता की आगाज, ज्ञान रत्नों की खान, शिक्षिकाओं की शिक्षिका,युवाओं की प्रेरणा,राजस्थान का उत्साह,बेजोड़ प्रतिभा की धनी,निर्भयता का आफताब,देही अभिमानी स्थिति का प्रारूप,मर्यादाओं की प्रणेता, अविरल गंगा,सिद्धान्तों की श्रेष्ठ प्रवाहक,कुशल वक्ता,उर्जा का पयार्य, शक्तियों की लीडर,यज्ञ का अतुलनीय सितारा,आदरणीय दादी जी हम सभी अवधवासी इस वरदानी मास नये वर्ष में आपका 9 लाख बार अभिनन्दन करते हैं आपका शुभ स्वागतम सुस्वागतम।

माँगे बिना जो मिलता है,सब भाग्य उसको कहते हैं,
सोच बिना जो मिलता है,उसको सौभाग्य कहते हैं,
गर सानिध्य दादियों का मिलता है तो,
उसको तो अहो भाग्य कहते हैं ।।

दिल के जज्बातों को दादी,कैसे व्यक्त करूं,
खुशी मिली है अपार उसकी,अभिव्यक्ति कैसे करूं,
रॉयल्टी की तुम विमल चेतना,किससे तुलना करूं,
ज्ञान की बहती तुम सहस्रधारा,किससे उपमा करूं।

आज आपके आने से,बिन मौसम बहार आयी,
झूम उठा हर मन मयूर,हर धड़कन मुस्कायी,
साकार बाप की रचना हो,आकार बाप सी लगती हो,
टीचर्स की दुनिया में दादी,आप सूरज सम चमकती हो।

मापी नहीं जा सकती दादी,आपके उमंगों की ऊँचाई,
थाह नहीं सकता है कोई,आपकी उर्जा की गहराई,
नहीं कभी सोची जा सकती,आपकी सेवा की चौड़ाई,
नहीं किसी से आँकी जा सकती,आपकी लगन की लम्बाई।

कदम पड़े जो आपके दादी,आज धन्य हुआ ये उपवन,
छलक उठा हर खुशी का आलम,महक उठी हर चितवन,
आपका दादी करते हम सब,दिल से बार–2 अभिनन्दन।
बार–2 शुभ अभिनन्दन,बार–2अभिनन्दन।।
दादी के हर भाव को समझें,बड़े प्यार से संभाला,
लीला बहन के आने से हुआ,अवध में बड़ा ही उजाला,
आपकी बेबाकी व निडर भावना पर,नहीं चल सकती कोई कमान,
आपकी दृढ़ता व बुलन्द हौंसलों के जज्बे को,लाखों–लाख सलाम।।
टीचर्स की पहचान बनाते,रख के उर बड़ा मन भावन,
नेक भावना व विशुद्ध प्रेरणा से,कहते बाबा दादी करनकरावन,
आज यहॉ हम सब करते,शान्त कृष्णा जी का अभिनन्दन,
जल्द आगमन हो चंचल कृष्ण का,करते हम सब आवाहन।
ओम शान्ति 11/01/13

ब्र0 कु0 सुमन
लखनऊ